Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

आपदा प्रभावित कुछ गांवों की स्थिति बेहद चिंताजनक

अब भूगर्भीय सर्वेक्षण के आगे पेंच फंसा

चिंता

■आपदा का दंश झेल रहे संवेदनशील गांवों की बढती तादात ने बढ़ाई मुश्किले

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। सीमांत तहसीलों के आपदा प्रभावित कुछ गांवों की स्थिति वर्तमान में बेहद चिंताजनक बन चुकी है। आलम यह है कि आपदा का दंश झेल रहे ग्रमीणों के विस्थापन के लिए सुरक्षित भूमि का अभाव पड़ चुका है। बता दें कि आपदा से परेशानी की मार झेल रहे गांवों का अब पुर्नवास करना संभव नही लग रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा विस्थापन नीति में खासा बदलाव कर दिये जाने से प्रभावितों की समस्यायें और भी ज्यादा बढ़ने के आसार नजर आने लगे है। जानकारी के मुताबिक प्रदेश सरकार द्वारा किये परिवर्तन के मुताबिक जिस गांव में आपदा अधिक है वहां पर सुरक्षात्मक कार्य करने व खतरे में आये स्थलों की सुरक्षा के नये नियम अड़गा डालने जैसा साबित हो रहा है।

दूसरी ओर संबधित गांव की सीमा के भीतर सुरक्षित स्थान ढूंढना बेहद जटिल विषय साबित होने वाला है। यह नियम और भी पेचीदा साबित होने वाला है। विस्थापन नीति 2013 के तहत अब आपदा पीड़ितों का पुर्नवास होने की ज्यादा संभावना बन रही है।

सीमांत जनपद की तहसीलों पर करीब हर साल प्राकृतिक आपदा का कहर टूटता है। साल 1971 से लेकर साल 2015 तक सीमांत तहसीलों में आपदा के चलते हालात बेहद नाजुक होते चले आये है।

आंकडों की बात करें तों साल 2020 में आपदा प्रभावित गांवों की संख्या कुल एक सौ पन्द्रह के आसपास थी। सबसे ज्यादा हालात चिंताजनक तब भी सीमांत के धारचूला व मुंसयारी के गांव थे। साल 2016 में डीडीहाट के कुछ गांव भी आपदा की मार झेलने में श्रेणी में जुट गये।

साल 2019 में गांवों की तादात में बढ़कर 129 हो गई। वही इस बार तो और बेहद चिंताजनक हालात सामने आने लगे है। हालात यह है कि वर्तमान में आपदा की मार झेल रहे गांवों की तादात साल 2020 में 148 पहुंच चुकी है। ये गांव अब तक आपदा की मार झेल रहे है।

आपदा से विस्थापन की मार झेल रहे गांवों की ग्रमीणों के सामने अब सबसे बड़ी मुसीबत भूगर्भीय सर्वे के पेंच ने कर डाली है।

जिला भू वैज्ञानिक प्रदीप कुमार ने बताया कि आपदा ग्रस्त गांवों का भूगर्भीय सर्वे चल रहा है। सर्वे के बाद ही कुछ कह पाना संभव हो पायेगा। पचीस गांवों का सर्वे किया जा चुका है। तेईस गांवों का पूरा सर्वे करने के बाद शासन को रिपोर्ट भेजने के बाद आगे की प्रकिया पूरी की जाने की संभावना है।

जिलाधिकारी डा विजय कुमार जोगदडे ने बताया कि बिना भूगर्भीय सर्वेक्षण किये बिना सुरक्षित स्थलों की जानकारी जुटा पाना कठिन है। वही प्राकतिक आपदा का दंश झेल रहे गांवों की बढ़ती तादात से कही न कही मुश्किलें बढ़ने की ज्यादा संभावना नजर आने लगी है।

न्यूज डायरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत अस्पताल से हुए डिस्चार्ज

संवाददाता देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत 10 दिन दून अस्पताल में भर्ती रहकर आज डिस्चार्ज हो गए। इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल में प्रबंधन, डॉक्टर, स्टाफ, नर्स, वार्ड बॉय और सफाई कर्मचारियों से लेकर हर विभाग के कर्मचारियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन जितनी अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहा है वही मानवता का परिचय भी दे रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना से किसी को घबराने की कोई जरूरत नहीं है मानसिक मजबूती और मेडिकल स्टाफ के सहयोग से कोरोना को आसानी से हराया जा सकता है 10 दिन यहां रहकर महसूस हुआ कि सरकारी सुविधाएं किस तरह से मजबूत हुई है और डॉक्टर एवं पैरामेडिकल नर्सिंग स्टाफ किस तरह से जज्बे के साथ सेवा कर रहा है।

ज्ञान सिंह नेगी का ऋषिकेश में निधन

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड सरकार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष दायित्व धारी ज्ञान सिंह नेगी का सुबह ऋषिकेश में निधन हो गया। ऋषिकेश के नेहरू मार्ग ऋषि लोक कॉलोनी स्थित आवास में सुबह उनकी तबीयत बिगड़ी। उसके बाद उन्हें हिमालयन हॉस्पिटल जॉली ग्रांट ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। तब से वह घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। बीती एक सितंबर को उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। उत्तराखंड सरकार में दायित्वधारी एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री रहे ज्ञान सिंह नेगी (75 वर्ष) टिहरी जिले के बेरणी के निवासी थे। आपातकाल के दौरान स्व. नेगी 18 माह जेल में रहे। वह लंबे समय तक विद्या भारती, जनसंघ, आरएसएस से जुडे रहे।

हंगामा प्ले ने लॉन्च किया 'रायता फैल गया' कॉमेडी शो

संवाददाता देहरादून। हंगामा डिजिटल मीडिया के स्वामित्व वाले देश के प्रमुख वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म, हंगामा प्ले ने आज एक नए ऑरिजिनल शो, 'रायता फैल गया' को लॉन्च किया है। इस कॉमेडी शो की कहानी दो अविवाहित नवयुवक, शैंकी और हैरी के इर्द–गिर्द घूमती है जो बेफिक्री से जिंदगी बिताते हैं। फिर उनके परिवार के लोग उनकी जिंदगी में दखल देते हैं और नैतिकता के बंधनों से मुक्त उनकी जीवनशैली को संस्कारों की बेड़ियों में बांधने की कोशिश करते हैं, और इसी खींच–तान में कॉमेडी का सिलसिला शुरू होता है जो हर पल और ज्यादा हास्यजनक होता जाता है।

प्रीतम सिंह ने मधु थापा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया

संवाददाता देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता एवं महानगर महिला कांग्रेस की वार्ड अध्यक्ष मधु थापा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। यहां अपने शोक संदेश में प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने स्वर्गीय मधु थापा को कांग्रेस पार्टी का वरिष्ठ, कर्मठ एवं निष्ठावान कार्यकर्ता बताते हुए उनके निधन को पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति बताया है। प्रीतम सिह ने कहा कि स्वर्गीय मधु थापा ने कांग्रेस पार्टी व क्षेत्र की जो निःस्वार्थ सेवा की उसके लिए वे सदैव याद की जायेंगी तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दिलों में सदैव जीवित रहेंगी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देते हुए उन्होने कहा कि पूरा कांग्रेस परिवार इस दुःख की घडी में उनके साथ है, हम सभी कांग्रेसजनों की प्रार्थना है कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांन्ति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति देवें।

परीक्षा तिथि में संशोधन की मांग को लेकर छात्रों का आंदांलन पांचवें रोज भी जारी

संवाददाता

पिथौरागढ। कुमाउं विश्वविधालय की परीक्षाओं की तिथियों में संशोधन की मांग को लेकर कमिक अनशन पर पांचवें दिन भी बैठे छात्रों का आंदोलन जारी है। पांच दिन बीतने के बाद भी कोई सुध न लिये जाने के कारण छात्रों मे आक्रोश बढ़ता जा रहा है। छात्रों ने अविलंब परीक्षा तिथि में बदलाव न किये जाने पर उग्र आंदोलन किये जाने की चंतावनी दे डाली है। मंगलवार को महाविधालय के प्रथम व अंतिम वर्ष के छात्रों ने महाविधालय परिसर में स्थित कमिक अनशन पर बैठे छात्रों को समर्थन देकर प्रदर्शन किया।

छात्रसंघ अध्यक्ष ने बताया कि अब तक परीक्ष तिथि में संशोधन की मांग को लेकर 13 महाविधालयों मे आंदोलन तेज किया जा चुका है। अन्य महाविधालयों से बातचीत की जा रही है। नाराज छात्रों का कहना की सरकार व विश्वविधालय परीक्षाओं को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी नही कर पा रहा है। आंदोलन को सर्मथन देने कई छात्र संगठन आंदोलन स्थल पर पहुंचे। इस दौरान तमाम छात्र संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व समाज कल्याण अधिकारी की मौत

संवाददाता

बीती जुलाई में गिरफ्तार किया गया था

अल्मोड़ा। अनुसूचित जाति जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति घोटाले के आरोपित पूर्व समाज कल्याण अधिकारी हापुड़ (उत्तर प्रदेश) की मौत हो गई। वह मूल रूप से लखनऊ के रहने वाले थे। उन्हें बीती जुलाई में गिरफ्तार किया गया था। इन दिनों वह जेल में थे। चिकित्सालय व कारागार सूत्रों के अनुसार वह निम्न रक्तचाप से पीड़ित थे।

दरअसल, इसी साल बीती 10 जनवरी को उपनिबंधक मौनार्ड यूनिवर्सिटी हापुड़ व कुछ अन्य बिचौलियों के खिलाफ रानीखेत कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि जिला समाज कल्याण कार्यालय अल्मोड़ा से जारी एससी एसटी दशमोत्तर छात्रवृत्ति की धनराशि 14,23080 रुपये कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आपराधिक साजिश के तहत गबन किए गए हैं। एसएसपी प्रह्लादनारायण मीणा ने घोटाले की जांच को एसआइटी टीम गठित की थी। विवेचना एसएसआइ बसंती आर्या को सौंपी गई। साइबर सेल की भी मदद ली गई।

पुख्ता सूचना पर रानीखेत पुलिस ने बीती 11 जुलाई को विकासनगर अलीगंज सेक्टर–तीन लखनऊ में दबिश दे पूर्व जिला समाज कल्याण अधिकारी हापुड़ राजेश कुमार सक्सेना (64) पुत्र स्व. प्रेम नारायण सक्सेना को गिरफ्तार कर लिया था। उनके साथ ही मकान नंबर– 660पी–32–33 फूलबाग कालोनी कुर्सी रोड, लखनऊ से आइओबी बैंक शाखा हापुड़ के सहायक प्रबंधक जैन अब्बास पुत्र कमर अब्बास को भी गिरफ्तार किया गया था। न्यायालय के ओदश पर पूर्व समाज कल्याण अधिकारी हापुड़ राजेश सक्सेना को जेल भेज दिया गया था। मंगलवार को उन्होंने दम तोड़ दिया।

प्रभारी जेलर जिला कारागार अल्मोड़ा मेघराज सिंह ने बताया कि पूर्व में कैदी राजेश कुमार सक्सेना को पांच सितंबर को स्वस्थ खराब होने पर अस्पताल भेजा गया था। उन्हें लो बीपी की शिकायत थी।

दुष्कर्मी विधायक को तत्काल प्रभाव से भाजपा से निलंबित किया जाय

संवाददाता देहरादून। आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री व रायपुर विधानसभा प्रभारी उमा सिसोदिया ने कहा है कि भाजपा विधायक महेश नेगी की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दुष्कर्मी विधायक को तत्काल प्रभाव से भाजपा से निलंबित किया जाये। यहां जारी एक बयान में आम आदमी की पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री व रायपुर विधानसभा प्रभारी उमा सिसोदिया ने भाजपा पर दुष्कर्म व शारीरिक शोषण के आरोपी अपने विधायक को बचाने का आरोप लगाते हुए भाजपा विधायक महेश सिंह नेगी की विधानसभा सदस्यता रद्द कर पार्टी से निलंबित करने की मांग की है। उमा सिसोदिया ने कहा कि प्रदेश की राज्य सरकार अपने दुष्कर्मी विधायक को बचाने की कोशिश करती रही है। महेश नेगी प्रकरण में यह स्पष्ट नजर आ रहा था कि पुलिस आरोपी विधायक को बचाने के लिये सरकार के दबाव में काम कर रही थी और पीड़िता के पक्ष में किसी भी प्रकार की कार्यवाही पुविस द्वारा नहीं की जा रही थी।